No. of Printed Pages : 6

# RHI–103

## Ph. D. IN HISTORY

## (PHDHIS)

## Term-End Examination

## December, 2023

### RHI-103 : STUDY OF SOURCE MATERIAL

*Time : 2 Hours* *Maximum Marks : 50*

***Note :*** *Answer any* ***two*** *questions in about* ***600*** *words each. All questions carry equal marks.*

1. Differentiate between primary and secondary sources. Can primary sources be treated unbiased and accurate ? Examine with suitable examples. 25

2. Critically examine the growth of Arabic and Persian cartography. Comment on the relevance of cartography as a tool for research in History. 25

3. Discuss the early census. What were its limitations ? 25

4. Comment and analyse the following passage for the 'Journey' of Francis Buchanan–Hamilton of Mysore, Canara and Malabar : 25

"Each nation again is divided into the sects of *Smartal, A'ayngar*, or *Sri Vaishnavam,* and *Madual*; but in one nation one sect is more prevalent than in another. A difference of sect does not properly constitute a difference of caste; as the son of a *Smartal* may become a worshipper of *Vishnu*; and, on the contrary, an *A'ayngar* may become a follower of the Sringagiri college; but such changes are not common. The *Smartal* and *Madual* eat together, and intermarry, although the one worships *Siva* and the other *Vishnu*; and on such occasions the woman always adopts the religion of her husband, which seems to be a proof of a great degradation of the sex, who are not considered

as worthy to form an opinion of their own on a point of this importance. The *Sri-Vaishnavam* or *A'ayngar* will not marry, nor eat with a *Madual*, although they both worship *Vishnu*; and still be will they have any communication with a *Smartal*; which arises, however, not from any difference in caste, but from a hatred to the doctrines entertained by these sects."

# RHI–103

## इतिहास में पी. एच. डी.
## ( पी. एच. डी. एच. आई. एस. )
## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2023

## आर.एच.आई.-103 : मूल स्रोतों का अध्ययन

*समय : 2 घण्टे* *अधिकतम अंक : 50*

---

***नोट :*** *किन्हीं* **दो** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***600*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. प्राथमिक तथा गौण स्रोतों में अन्तर कीजिए। क्या प्राथमिक स्रोतों को गैर-पक्षपातपूर्ण माना जा सकता है ? उचित उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। 25

2. अरबी तथा फारसी नक्शानवीसी का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। नक्शानवीसी की ऐतिहासिक शोध के लिए उपयुक्तता पर टिप्पणी कीजिए। 25

3. प्रारम्भिक जनगणना की चर्चा कीजिए। इसकी क्या सीमाएँ थीं ? 25

4. फ्रांसिस बुखानन-हेमिल्टन की 'मैसूर, कनारा तथा मालाबार की यात्रा' में से लिए गए निम्नलिखित अवतरण पर टिप्पणी कीजिए तथा विश्लेषण कीजिए : 25

"प्रत्येक राष्ट्र पुनः **स्मारतल, आयंगर,** अथवा **श्री-वैष्णवम्** और **माडुआल** संप्रदायों में विभाजित है; किन्तु एक राष्ट्र में अन्य की तुलना में संप्रदाय विशेष का बाहुल्य है। सम्प्रदायों में मतभेद से तात्पर्य जातियों में मतभेद नहीं है; अर्थात् **स्मारतल** का बेटा विष्णु का उपासक बन सकता है; और, इसके विपरीत, एक **आयंगर**, शृंग-गीरी मठ का अनुयायी हो सकता है, लेकिन इस प्रकार के मत-परिवर्तन आम नहीं हैं। **स्मारतल** और **माडुआल** आपस में खाते-पीते हैं, तथा आपस में शादियाँ करते हैं, हालांकि एक **शिव** का उपासक है और दूसरा **विष्णु** का; और ऐसी स्थिति में महिलाएँ हमेशा अपने पति का धर्म अपनाती हैं, जो कि

महिलाओं की लैंगिकहीनता का प्रमाण प्रतीत होता है, जिन्हें विशिष्ट मुद्दों पर अपनी स्वयं की समान राय रखने की अधिकारी नहीं समझा जाता। **श्री वैष्णवम्** अथवा **आयंगर**, एक **माडुआल** के साथ न तो शादी–विवाह का सम्बन्ध ही रखते हैं, न ही उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण करते हैं, हालांकि दोनों ही विष्णु के उपासक हैं; इसी प्रकार वे **स्मारतल** के साथ भी कोई सम्बन्ध नहीं रखते; इसका करण हालांकि जातिगत मतभेद नहीं है, बल्कि इन सम्प्रदायों का आपस में संप्रदायगत द्वेष है।"